MATTER RAISED WITH PERMISSION—Contd.

Another Militants Attack in Doda District of Jammu and Kashmir on 17th May, 2006

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: उपसभापति जी, आज दोपहर में मैंने सदन में डोडा के अंदर जो घटनाएं हुई हैं, उसके बारे में सरकार का ध्यान आकृष्ट किया था कि आज भी वहां ग्रेनेड अटैक हुए हैं, जिसमें मृत्यु हुई और लोग घायल हुए हैं। परसों माननीय गृह मंत्री जी ने सदन में हम लोगों को आश्वासन दिया था कि वहां सुरक्षा के तौर पर पूरी व्यवस्था की जा रही है और आज प्रात:काल भी माननीय रक्षा मंत्री जी ने यह कहा कि पूरे तौर पर सुरक्षा की व्यवस्था है। तो एक प्रकार से हम आश्वस्त थे कि अब केन्द्र सरकार और राज्य सरकार, दोनों वहां की स्थिति पर पूरा नियंत्रण रखेंगे और अब ऐसी दुर्घटनाएं नहीं होंगी। मुझे बहुत खेद के साथ कहना पड़ता है कि आज भी घटना हुई। मैं माननीय गृह मंत्री जी से यह गुज़ारिश करुंगा कि एक तो वे यह बताएं कि आज की स्थिति क्या है, ये घटना कैसे हुई और दूसरा यह कि भविष्य में यह न हो, इसके लिए आप क्या कदम उठा रहे हैं? क्या उसे आप डिस्टर्ब एरिया घोषित करके फौज के हवाले करेंगे? आप क्या करेंगे? केन्द्र क्या इसमें जिम्मेदारी लेगा, राज्य सरकार को क्या आदेश देगा और उन लोगों की सुरक्षा की क्या व्यवस्था करेगा? वे लोग कहते हैं कि हम अपने घर कैसे जाएं, हम डोडा से अपने गांवों में कैसे जाएं। यह कहा गया था कि वहां विलेज कमेटीज़ बनाई गई हैं, मुझे बहुत खेद के साथ कहना पड़ता है कि बहुत से गांवों में वे अभी नहीं बनी हैं और जिन गांवों में बनाई गई थीं, वे गांव नहीं हैं, जहां आवश्यकता है। मेरा आपसे अनुरोध कि कम से कम आप आज सरकार की कुछ ऐसी नीति का उल्लेख करें जिससे कि ये घटनाएं भविष्य में नहीं होंगी, कहीं तो इसका अंत करना चाहिए और डोडा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा, डोडा के आसपास के गांव सुरक्षित रहेंगे, लोग वहां से पलायन नहीं करेंगे, अन्यथा तो यह चैलेंज है सरकार के लिए --परसों आपने कहा, आज रक्षा मंत्री जी ने कहा और आतंकवादी आज आकर घटना कर गए। यह मैं समझता हूं कि देश के लिए भी और सरकार के लिए भी बहुत ही चिंतनीय विषय है और देश को चिंता है इस पर। कहीं तो इन घटनाओं का अंत होना चाहिए।

इसलिए मैं आपसे अनुरोध करुंगा कि इस संबंध में आप कुछ कहें।

श्री विनय कटियार (उत्तर प्रदेश): सर, एक क्लेरिफिकेशन मैं भी पूछना चाहता हूं।

श्री उपसभापति: नहीं, यह डिबेट नहीं है। उन्होंने परमिशन मांगा था, उनको परमिशन दिया गया। He only wants a piece of information.

श्री विनय कटियार: डा॰ जोशी जी ने जो बात कही, हम तो उसके साथ अपने को संबद्ध करते हुए एक बात कहना चाहते हैं कि माननीय रक्षा मंत्री जी ने आज सुबह एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जम्मू-कश्मीर बिल्कुल स्वर्ग बन रहा है। क्या मैं इसको इसलिए स्वर्ग मानूं कि वहां रोज लोग मर रहे हैं और उसकी रक्षा नहीं हो रही?

श्री उपसभापति: यह क्लेरिफिकेशन नहीं है।

श्री विनय कटियार: कब तक यह संहार होता रहेगा, कहीं न कहीं तो इसको स्टॉप करेंगे? हम केवल इतना ही कहना चाहते हैं कि यह रुकना चाहिए। इतनी बड़ी घटना हो गई, डोडा सेना के हवाले क्यों नहीं हो रहा है? हम यही जानना चाहते हैं कि सेना के हवाले कब करेंगे?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Home Minister, would you like to respond?

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी॰ पाटिल): श्रीमन्, मुझे जो मालूमात मिली है, हमने जम्मू-कश्मीर सरकार से मालूमात ली है, उसके मुताबिक डोडा के पास आजू-बाजू के गांवों के कुछ लोग लाए गए थे और उनकी संख्या दो-तीन सौ या इससे ज्यादा थी। उनको लाने के दो उद्देश्य थे, ऐसा बताया गया है, अब वह कहां तक सही है, यह जानकारी मिलने के बाद पता लगेगा। एक तो डोडा और उधमपुर में जो हुआ था, उसका विरोध करने के लिए वे लाए गए थे और दूसरी बात जो हमको बताई गई, वह यह है कि वहां पर आने के बाद जब उनको वापिस जाने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा कि विलेज कमेटियां बनाई जा रही हैं और उन कमेटियों के अंदर हमको भी शरीक होना है, इसलिए हम यहीं रहना चाहेंगे। उसी समय वहां पर जो लोग थे, उनके ऊपर एक ग्रेनेड फैंका गया और उसे ग्रेनेड में, मुझे जो मालूमात दी गई है हमारी इन्फारमेंशन के सोर्स से, 10-15 लोग जख्मी हुए हैं, खुशकिस्मती से किसी जान का वहां पर नुकसान नहीं हुआ है, ऐसा मुझे बताया गया है और पुलिस, जो वहां पर है, वह इन्फारमेशन लेकर हमको दे रही है।

एक बात हमको ध्यान में रखनी जरूरी है और वह यह है कि अगर हम उस इलाके में जाएं और उस इलाके को देखें तो हमको पता चलेगा कि वहां पर जहां सिक्युरिटी हमको प्रोवाइड करनी है, वह जगह किस प्रकार की है। वहां पर पहाड़ियां हैं और झाड़ियां भी हैं और वहां जो गांव बसे हुए हैं, वे जैसे प्लेन एरिया में गांव होते हैं, वैसे नहीं हैं –400, 500 या 1000 घर के गांव नहीं हैं, वे 4 घर के, 5 घर के गांव हैं, ऐसे गांव हैं और पूरे पहाड़ पर फैले हुए गांव हैं। गांवों की संख्या वहां हजारों में है। यह जो कमेटियां बनाने का काम है, जिनके बारे में वहां के मुख्य मंत्री जी ने मुझे स्वयं बोला था कि हम कमेटियां ज्यादा बनाएंगे, कमेटियों के लोगों को ज्यादा तनख्वाह देंगे और हम हथियार भी दे रहे हैं, और जैसा कि कल यहां चर्चा के समय बताया गया था कि बहुत अच्छे हथियार, AK 47 जैसे हथियार उनको देने चाहिए। इस संबंध में हमने उन्हें कहा था कि आपको जैसी सुविधा हो, आप वैसा

कीजिए। जो कुछ भी आप करेंगे, हम आपको उसमें मदद देंगे। लेकिन वहां पर उस समय भी मैंने कहा था कि आप जिनको हथियार दे रहे हैं, वे उन हथियारों का उपयोग लोगों की सुरक्षा के लिए करेंगे या किसी अन्य चीज़ के लिए करेंगे, इसके ऊपर भी आपको ध्यान रखना होगा। इसीलिए वहां पर यह कमेटियां बनाने का काम किया गया। न जाने उन्होंने कितनी कमेटियां बनाई हैं, 100 के करीब कमेटियां एक जगह पर हैं और डेढ़ सौ के करीब दूसरी जगह पर हैं। एक जगह की कमेटियों में सब मिलाकर 650 के करीब लोग हैं और दूसरी जगह पर 400 के करीब लोग हैं, इस तरह से वहां पर इस प्रकार की व्यवस्था हो रही हैं। लेकिन जम्मू एवं कश्मीर में हमें जो बद्किस्मती देखने को मिलती है, वह यह है कि छोटे-छोटे बच्चों को पकड़ा जा रहा है, उनके हाथों में ग्रेनेड दिया जा रहा है और उन्हें कहा जा रहा है कि चलते-चलते आप इसे कहीं फेंक दो और वे बच्चे ग्रेनेड फैंक कर निकल जाते हैं। उन बच्चों को पकड़ना एवं उन पर फायर करना बहुत मुश्किल हो जाता है, क्योंकि वे बच्चे फिर गायब हो जाते हैं।

दूसरी बात जो वहां पर सिटोज़ में हो रही हैं वह यह है कि जो मोटरें या कारें हैं, उनके अन्दर बॉम्ब रखे जा रहे हैं और ऐसे बॉम्बस को वहां कहीं पर भी छोड़ दिया जाता हैं यह कार्य वहां पर हो रहा है, इसकी वजह से भी बहुत मुश्किल हो गयी है। वहां का जो क्षेत्र है, वहां पर जो मिलिट्री है, जब हम वहां पर गए थे, तब हमने इसी बात की चर्चा की थी कि मिलिट्री के जो स्टेशन्स वहां पर हैं, दो या तीन मील के फासले पर मिलिट्री के स्टेशन्स है, जो लोग वहां पर रहते हैं, वे अलग-अलग जगह पर रहते हैं। वे लोग पहाड़ के बीच में रह रहे हैं, न तो वे लोग ऊपर की तरफ हैं और न हीं नीचे की तरफ हैं, वे बीच में रह रहे हैं ताकि अपना काम कर सकें। वहां के लोगों का कहना था कि बीच में रहने के बजाए जो पहाड़ की सबसे ज्यादा ऊंचाई है, उस एपेक्स के ऊपर यदि वे जाकर रहें तो ज्यादा जगह पर देख सकते हैं। हमने उन्हें कहा कि आपकी बात बिल्कुल सही हैं, लेकिन जब हमने उन लोगों के साथ इस बात की चर्चा की तो उन्होंने हमें बताया कि ऊपर जाने के बाद अगर नीचे कुछ हो रहा हो तो तुरन्त आना भी मुश्किल हो जाएगा। इसलिए हमने इसे बीच में रखा है। तब हमने उनसे कहा कि अगर आप ऊपर रहते हैं तो आपको चारों तरफ देखने को मिलेगा, लेकिन यदि बीच में रहेंगे तब आप केवल एक ही तरफ से देखेंगे। यदि आने जाने के लिए कोई रास्ता बनाना है तो उसके लिए हम व्यवस्था कर देंगे। इस तरह से हम ये सब चीज़ें वहां पर करने जा रहे हैं।

वहां पर मिलिट्री कॉलम्स भी बढ़ाए गए हैं रक्षा मंत्री भी वहां गए थे। आपकी जानकारी के लिए मैं यह बताना चाहूंगा कि जो हमारा इंटरनेशरल बॉर्डर है, उसके ऊपर बीएसएफ हैं वहां पर फौज नहीं है, आर्मी नहीं है, वहां पर बीएसएफ है और जो लाइन ऑफ कंट्रोल है, वहां पर आर्मी हैं। लाइन ऑफ कंट्रोल के नजदीक के जो एरियाज़ हैं, वहां पर आर्मी की संख्या बहुत अधिक परिमाण में नहीं है। जम्मू एवं कश्मीर में हमने जो व्यवस्था की है वह यह है कि वहां की सुरक्षा की जिम्मेदारी जम्मू एवं कश्मीर की पुलिस को दी है और उनकी मदद के लिए हमने बड़ी संख्या में पेरामिलिट्री फोर्सिज़ भी

दी हैं; जिसके अंदर बीएसएफ भी हैं, सीआरपीएफ भी है। और भी अधिक संख्या में हमने उन्हें भेजा है और साथ ही साथ आर्मी के लोगों को भी उनकी मदद के लिए भेजा है। ये जो सारी फोर्सिज़ हैं - आर्मी, पेरामिलिट्री फोर्सिज़ और स्टेट पुलिस, इनके अंदर को-ऑर्डिनेशन के लिए एक कमेटी बनाई है, जिसका नाम यूनिफाइड कमांड है। इस यूनिफाइड कमांड में आर्मी के ऑफिसर्स होते हैं, वहां के एरिया के कमांडर होते हैं, वहां की पुलिस के डीजी होते हैं और साथ ही हमारी पैरामिलिट्री फोर्सिज़ के लोग होते हैं इस कमेटी की चेयरमैनशिप उस राज्य के मुख्यमंत्री को करने के लिए कहा गया है और साथ ही उन्हें यह भी कहा गया है कि जब भी आपको आर्मी या पैरामिलिट्री फोर्सिज़ की या पुलिस की डिप्लांएमेंट करने की जरूरत हो, आप उसे करें।

आज भी जब डिफैंस मिनिस्टर बोल रहे थे, तब मैं यहीं पर था और स्वयं भी मैंने बहुत बार बताया है कि वहां का जो आतंकवाद है, वह पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। यह खत्म हो गया है, ऐसा न तो डिफैंस मिनिस्टर साहब ने यह कहा है कि और न ही मैंने ऐसा कहा है, वह कम अवश्य हुआ है और बहुत हद तक कम हुआ है। कभी-कभी ऐसा होता है कि अगर हम वहां पर जाकर राउंड टेबल कॉन्फरेंस करते हैं, तो कुछ लोग उसके खिलाफ चले जाते हैं। अगर इलेक्शन हुए हैं, रिजल्ट आ गए हैं तो उसके बारे में कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि यहां पर शांति बनी हुई है और इतने लोग अगर वोट कर रहे हैं तो वह शांति का जो माहौल बना हुआ है, ऐसा बताया जा रहा है कि वह गलत है, बताने के लिए वे करते हैं। और कभी-कभी तो ऐसा हो जाता है कि गर्मी का मौसम आ गया, बर्फ पिघल गई, उधर के जो लोग बैठे हुए थे वे आकर अंदर भी यह क़र रहे है। यह सारी चीजें उसके अंदर है। हमें बड़ा दुख है कि ऐसी चीजें हो रही है। हमने आपको यहां पर बताया और हमारी कोशिश यह है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। बदकिस्मती से मैं आपको ....(व्यवधान)

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: महोदय, एक ....(व्यवधान)

श्री उपसभापति: जोशी जी, देखिए, we cannot convert it into a debate, देखिए, हाउस में तीन घंटे ...(व्यवधान)...

श्री विनय कटियार: वहां घाटी में सब हिन्दू मारे जाएं ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: देखिए, यह बात हिन्दू-मूसलमान की नहीं है, आप क्यों बार-बार यह बात उठाते हैं। यह सवाल यह नहीं है। ...(व्यवधान)... ऐसी बात नहीं है। क्या नई डिबेट शुरू करना चाहते हैं? ...(व्यवधान)... Let him finish. ...*(Interruptions)*... he is giving an exhaustive answer.

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: मेरा एक छोटा सा सुझाव है इसमें। जो लोकलाइज्ड डोडा वाला प्रश्न है वह महत्वपूर्ण इस समय हो गया है। आपने जो सारे प्रदेश का, सारे राज्य का वर्णन किया, सारा

कुछ किया वह आपने परसों भी बताया था। आपकी जो व्यवस्थाएं हो रही हैं वह अपने आप में हम उससे सहमत हैं, जो मदद हमसे जरूरत होगी वह हम करने को तैयार हैं। लेकिन यह जो डोडा में लोग हैं इस समय, उनको घर वापिस जाना है और वहां बैठे-बैठे भी उन पर आक्रमण हो रहा है।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: उसकी व्यवस्था कर देंगे।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: उनको घर पहुंचाना, उनकी व्यवस्था करना और साथ में उनको हथियार देना ताकि उनकी जो विलेज कमेटी है वहां वे सुरक्षित रह सकें। अब तो यह एक्सपोज हो गए हैं। इसमें मुख्य सवाल यह है कि उनके जीवन की सुरक्षा हो, यह बुनियादी बात है।

SHRI SHIVRAJ VISHWANATH PATIL: I will explain it. ...*(Interruptions)*...

श्री विनय कटियार: इसमें मेरा आग्रह है कि जो लोग धरना दे रहे हैं, प्रदर्शन कर रहे हैं, लगातार ...(व्यवधान)...

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: उनको बोलिए न कि यह मत करो।

श्री विनय कटियार: उन पर लगातार हथगोला फैंकना, अगर कोई जूलूस जा रहा है, देखिए ऐसी दो घटनाएं हो गई हैं ...(व्यवधान)...

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, we should also be allowed to speak.

श्री विनय कटियार: एक छोटी सी बात को लेकर कल दिन भर बहस कराई ...(व्यवधान)... मैं वही कह रहा हूं, आप पर कोई आरोप-प्रत्यारोप नहीं कर रहा हूं। जो समस्या है उसमें भारत सरकार आप स्वयं उसके प्रति चिंतित हैं। हम इतना ही कहना चाहते हैं कि वहां जिस प्रकार का धरना, प्रदर्शन हो रहा है क्या वहां की सरकार या हम इतने असहाय हो गए हैं कि सच में आज हम उनकी सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं और कोई बड़ी भारी संख्या में लोग धरना नहीं दे रहे हैं, कोई वहां पर पांच सौ लोग जा रहे हैं, कोई दो सौ लोग जा रहे हैं, वे अपना प्रोटेस्ट कर रहे हैं और यह भी कह रहे हैं, सद्भाव के साथ मैं कह रहा हूं कि वहां सभी वर्गों के, धर्मों के लोग हैं वहां और उसमें कम से कम इतनी तो व्यवस्था कराइए, उनकी रक्षा तो हो सके।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: मैं आपको बतलाता हूं। श्रीमन, मैं यह बोलना चाहूंगा कि यह जो मामला है आपने बड़ी संजीदगी से उठाया है और जिस स्प्रिट में उठाया है उस स्प्रिट में मैं उसका जवाब देने की कोशिश कर रहा हूं। उस पर किसी प्रकार से भी राजकीय रंग नहीं चढ़ना चाहिए। मैं यह बताना चाहूंगा कि वहां पर लोग जमा हुए हैं, वे वापिस जाना चाहते हैं। उनको वापिस ले जाने का हम पूरा इंतजाम कर देंगे। मगर मैं यह भी उसके साथ-साथ कहूंगा कि डोडा में कुछ हुआ, दूसरी

जगह पर कुछ हुआ और अगर इसके लिए प्रदर्शन चलते रहे तो लॉ एंड आर्डर की सिचुएशन में मदद होने वाली है या तकलीफ होने वाली है, इसको भी ध्यान में रखें। मैं आपको यहां आश्वासन देता हूं कि जो लोग जमा हुए हैं उनको वापिस पहुंचाने का काम सरकार की तरफ से हम जरूर करवा देंगे। मगर मैं आपसे यहां पर यह भी विनती करना चाहूंगा कि यह प्रदर्शन करके यह मिटने वाली बात नहीं है, इसको आपने किया, वह आपको अधिकार भी है और अब इसके बाद इसको रोकने का भी काम कीजिए। अब अगर कहीं परं भी ऐसी चीज होती है तो उसके ऊपर प्रदर्शन करने से कुछ नहीं होता, उड़ीसा में हुआ ...(व्यवधान)...

श्री विनय कटियार: धरना तो समाप्त कर दिया गया।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: वे लोग धरने के लिए ही लाए गए थे वहां मर।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: जो धरने के लिए आए थे, वे वहां से इसलिए वापिस नहीं जा पाए कि उनकी सुरक्षा का प्रबंध नहीं था। वे उसी के कारण से रुके हुए थे। बाकी वहां धरना तो समाप्त हो गया।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: वह मैं करवा दूंगा। वह कह रहे थे कि हम यहां रहना चाहेंगे, कमेटी में जाना चाहेंगे और हथियार लेना चाहेंगे एके-47, वे कह रहे हैं कि आपने इतने एके-47 टेरोरिस्ट से जमा किए हैं तो हमको बांटिए। हम वह देने के लिए तैयार हैं। मगर उसके साथ-साथ जब हम देने के लिए तैयार हैं, सरकार देने के लिए तैयार है, केन्द्र सरकार नहीं, वहां की सरकार ही कर रही है। हम देने के लिए तैयार हैं, मुझे कुछ सम्मानित सदस्यों ने जरूर कहा और उनकी बात में बहुत जोर हैं कि दे रहे हैं, तो किसको दे रहे हैं, इसका भी ध्यान रखिएगा...।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: उन हथियारों का किसी भी तरह से दुरुपयोग नहीं हो।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: हां।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: उनका उपयोग हमारे ही देश के विरूद्ध न हो, इसकी सावधानी रखी जानी चाहिए, इसको हम मानते हैं, लेकिन जो लोग वहां इस समय हैं, उनमें से कोई अगर ऐसा है कि जिस पर दुरुपयोग करने की संभावना है, तो उसको सरकार को देखना चाहिए।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: उसी की जांच कर रहे हैं।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: लेकिन जो वहां असुरक्षित पड़े हुए हैं, उनकी सुरक्षा होनी चाहिए।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: हां, उनका मैं इंतजाम करवा दूंगा। दूसरी तरफ कहीं भी घटना घटी है, तो हम उसको पॉलिटिकली नहीं ले रहे हैं...।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: हम भी नहीं ले रहे हैं।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: यह कहीं भी हो, यू॰पी॰ में हो या उड़ीसा में हो या छत्तीसगढ़ में हो, हमारा उससे कोई पॉलिटिकल गेन करने का उद्धेश्य नहीं है। कल छत्तीसगढ़ में माइन्स ब्लास्ट में लोग मारे गये, उसको हम उठा रहे हैं, लेकिन पॉलिटिकली नहीं उठा रहे हैं। वह नेशनल इश्यु है, सेक्युरिटी का इश्यु है। ...(व्यवधान)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: वह तो जहां कहीं भी है, उसमें हम सरकार का साथ देंगे। सारे के सारे उग्रवाद को समाप्त करने के लिए हमारी पार्टी की तरफ से सरकार को सहयोग होगा।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: आप कह रहे हैं, डेफिनेटली।

STATEMENT BY MINISTER

THE STATUS OF IMPLEMENTATION OF RECOMMENDATIONS CONTAINED IN 2ND AND 10TH REPORTS OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDINGCOMMITTEE ON RURAL DEVELOPMENT

ग्रामीण विकास मंत्री (श्री रघुवंश प्रसाद सिंह): महोदय, मैं विभाग संबंधित ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति के दूसरे और दसवें प्रतिवेदनों में अंतर्विष्ट सिफारिशों के कार्यान्वयन की स्थिति के संबंध में वक्तव्य सदन के पटल पर रखता हूं।

MATTER RAISED WITH PERMISSION—Contd.

DEATHS OF LABOURS FROM CUDDAPAH DISTRICT OF ANDHRA PRADESH IN A FIRE ACCIDENT IN KUWAIT

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Sir, I wish to draw the attention of the Government to a fire accident which took place at Kaitain in Kuwait. As per the Press reports, 11 persons died and all of them are from my native place, from Cuddapah District of Andhra Pradesh. They went there for some labour work. They are the sole breadwinners of their families. Unfortunately, they died in a fire accident. Till now their mortal remains have not been brought to their places and their relatives